[illegible]

[illegible]

[illegible]

(iv) [illegible]

(v) [illegible] के [illegible] के [illegible]
तथा [illegible]

(vi) विकास के प्रति [illegible] के [illegible]
विचार होना, [illegible] के साथ होना, [illegible]
तथा [illegible] का विचार होना [illegible]
[illegible] हो [illegible]
[illegible] चाहिए।

(vii) मानवों की आवश्यकतानुसार [illegible]
[illegible] हो और [illegible]
[illegible], [illegible], [illegible], [illegible] और [illegible]
[illegible] के [illegible]
हो और इसमें कोई [illegible] हो [illegible] जिससे उसे
[illegible] प्रक्रिया में [illegible] और [illegible] करने में मदद
होना चाहिए।

संक्षेप में कहा जाये तो व्यक्ति विशेष की अधिगम क्षमता और सामर्थ्य बहुत सीमा तक उसके केन्द्रीय स्नायु संस्थान की समुचित कार्य प्रणाली पर टिका हुआ है जैसे ही प्रणाली में कोई दोष या विकार पैदा होता है उसका सीधा असर व्यक्ति विशेष की अधिगम क्षमता और सामर्थ्य पर पड़ता है। इस दृष्टि से कोई भी ऐसी बात जिसके द्वारा केन्द्रीय स्नायु संस्थान के किसी भी अवयव को क्षति पहुँचे वह उसकी कार्य प्रणाली को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित करती हुई अधिगम अक्षमता या अपंगता का एक बड़ा कारण बन सकती है।

07.10.20

Page ②

3. वातावरण संबंधी कारक (Environmental forces for Neurological and Childhood Prevention)

(a) माँ के गर्भ में मिलने वाला दोषयुक्त वातावरण या कुपोषण

(b) समय से पूर्व प्रसव, बालक के जन्म के समय उपलब्ध प्रतिकूल तथा हानिप्रद वातावरण अन्य परिस्थितियाँ

(c) जीवन के प्रारंभिक वर्षों में बालक की भूखमरी या कुपोषण का शिकार होना, घातक बिमारियों से ग्रस्त होना, ऐसी दुर्घटनाओं तथा चोटों का शिकार होना, जिससे उसका केन्द्रिय स्नायु संस्थान क्षतिग्रस्त हो या उसकी कार्यप्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े

(d) बालकों को आवश्यकतानुसार उचित चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी देखभाल उपलब्ध न हो और जिसके परिणामस्वरूप उसकी सुनने, देखने, चखने, सूंघने और अन्य प्रकार की न्यूरोलॉजिकल कार्य प्रणाली नकारात्मक ढंग से प्रभावित हो और उसमें ऐसे गंभीर दोष उत्पन्न हो जाये जिनसे उन्हें अधिगम प्रक्रिया में असहाय और असमर्थ बनने से मजबूर होना पड़े

... हुए उनके केन्द्रीय स्नायु संस्थान की कार्य प्रणाली को दोषपूर्ण तथा विकारग्रस्त बना सकती है।

संक्षेप में कहा जाये तो व्यक्ति विशेष की अधिगम क्षमता और सामर्थ्य बहुत सीमा तक उसके केन्द्रीय स्नायु संस्थान की समुचित कार्य प्रणाली पर टिका हुआ है जैसे ही प्रणाली में कोई दोष या विकार पैदा होता है उसका सीधा असर व्यक्ति विशेष के अधिगम क्षमता और सामर्थ्य पर पड़ता है। इस दृष्टि से कोई भी ऐसी बात जिसके द्वारा केन्द्रीय स्नायु संस्थान के किसी भी अवयव को क्षति पहुँचे वह उसकी कार्य प्रणाली को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित करती हुई अधिगम अक्षमता या अपंगता का एक बड़ा कारण बन सकती है।

Page (2) 07.10.20

3. वातावरण संबंधी कारक (Environmental forces for Neurological and Child Prevention)

(a) माँ के गर्भ में मिलने वाला दोषयुक्त वातावरण या कुपोषण

(b) समय से पूर्व प्रसव, बालक के जन्म के समय उपलब्ध प्रतिकूल तथा हानिप्रद वातावरण अन्य परिस्थितियाँ

(c) जीवन के प्रारंभिक वर्षों में बालक की भूखमरी या कुपोषण का शिकार होना, घातक बिमारियों से ग्रस्त होना, ऐसी दुर्घटनाओं तथा चोटों का शिकार होना, जिससे उसका केन्द्रिय स्नायु संस्थान क्षतिग्रस्त हो या उसकी कार्य प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े

(d) बालकों को आवश्यकतानुसार उचित चिकित्सा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी देखभाल उपलब्ध न हो और जिसके परिणामस्वरूप उसकी सुनने, देखने, चखने, सूँघने और अन्य प्रकार की न्यूरोलॉजिकल कार्य प्रणाली नकारात्मक ढंग से प्रभावित हो और उसमें ऐसे गंभीर दोष उत्पन्न हो जाये जिनसे उन्हें अधिगम प्रक्रिया में असहाय और असमर्थ बनने से मजबूर होना पड़े